विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

वर्ग -अष्टम्   विषय- हिंदी

शिक्षिका-   सरिता कुमारी

दिनांक -   23 -5- 2020

जीतते वही लोग है , जिनमे

शौर्य,धैर्य,साहस,सत्व और धर्म होता है |

.... हजारी प्रसाद द्विवेदी

(प्रसिद्ध साहित्यकार ,समालोचक)

शौर्य का अर्थ है पराक्रम, वीरता, साहस।धैर्य यानी संयम।सत्व का अर्थ है अस्तित्व, (आपका अस्तित्व ,आपके आचरण या

स्वभाव पर निर्भर है।), इन सब का सामन्जस्य जीत को आमंत्रण देता है।

प्रिय बच्चों

सुप्रभात।

वर्ग शिक्षक के दिए गए सृजनात्मक कार्य करके आप तरोताजा हो गए होंगे। उम्मीद है पिछले अध्ययन सामग्री में दी गयी कविता

<u>प्राणी वही प्राणी है</u>

आपने कंठस्थ कर लिया होगा।

अब कठिन शब्द और उनके अर्थ-

तपित -तपा हुआ

स्निग्ध- चिकना, ठंडा

बैन – बोल

सत्- सच्चाई

संभार-देखभाल व एकत्र करना

टोटा-कमी

अधर- ओठ

काई-शांत जल में या ठहरे जल में जमने वाला

भावार्थ-

तपित को स्निग्ध करे,
प्यासे को चैन दे;
सूखे हुए अधरों को
फिर से जो बैन दे
ऐसा सभी पानी है|

लहरों के आने पर

काई सा फटे नहीं

रोटी के लालच में

तोते- सा रटे नहीं

प्राणी वही प्राणी है।

कवि भवानी प्रसाद मिश्र जी ने इस कविता में मनुष्य या प्राणी के गुण को बताया है।

जो प्यासे या तपित को शांत करे सूखे हुए ओठों को तर कर बोल प्रदान करे, वह पानी है।

पानी की प्रवृत्ति होती है कि लहरों के आने पर काई सा नहीं फटता, वह लहरों में मिल जाता है।वहीं काई ऐसी होती है जैसे ही लहरें आती हैं उसकी गति से वह फट जाती हैं। रोटी यानी रुपए पैसे के लालच में सीखे सिखाए बात को तोते सा नहीं दोहराए। यानी अपनी बुद्धि से काम ले, वही प्राणी है।

यहां लहरें हमारे जीवन की मुश्किलों के समान है। काई की तरह हम दुखी होकर फट नहीं सकते यानी अपने आप को टूटने नहीं दे सकते।

यूं कहें, अपने आप को निष्क्रिय नहीं बना लेते। बल्कि लहरों में पानी की तरह मुश्किलों का डटकर सामना करते हैं। लालच को छोड़ अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दे।

यहां मनुष्य या प्राणी की तुलना पानी से की गई है। जिसमें यह गुण होना चाहिए कि काई की नहीं फटे, बल्कि पानी की तरह बिना रुके बुद्धिमानी से चलता रहे।

छात्र कार्य

अध्ययन सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर पुस्तिका में लिखें।

अगले भाग के साथ कल मिलते हैं।

धन्यवाद।

****